2 संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्

धन्योऽयम् भारतदेश: यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्या: वाङ्मयम् सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्था:, चत्वारोवेदा:, सर्वा उपनिषद:, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्य-नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति। इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्वविद्भि:। संस्कृतस्य गौरवं बहुविधज्ञानाश्रयत्वं व्यापकत्वं च न कस्यापि दृष्टेरविषय:। संस्कृतस्य गौरवमेव दृष्टिपथमानीय सम्यगुक्तमाचार्यप्रवरेण दण्डिना–

संस्कृतं नाम दैवी वागन्वाख्याता महर्षिभि:।

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यञ्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणा संस्कृतवाङ्मयं ददाति न तादृशीम् किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणा: अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते।

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकवि: वाल्मीकि:, महर्षिव्यास:, कविकुलगुरु: कालिदास: अन्ये च भास-भारवि भवभूत्यादयो महाकवय: स्वकीयै: ग्रन्थरत्नै: अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभि: मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातु: स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। तत: सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

अभ्यास प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

१. संस्कृतसाहित्यस्य आदिकवि: क: आसीत्? **[2018 AH, 19 CN, 20 ZC, ZD]**

२. संस्कृतस्य के-के प्रमुखा: कवय: आसन्?

अथवा संस्कृतभाषाया: मुख्या: कवय: के सन्ति? **[2019 CO]**

३. का भाषा अस्माभि: मातृसमं माननीया?

४. भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा च भाषा का अस्ति? **[2020 ZG]**

५. का भाषा सर्वासाम् आर्यभाषाणां जननी मन्यते?

६. संस्कृतसाहित्यस्य अनुशीलेन के गुणा: सञ्जायन्ते?

७. कस्य साहित्यम् सरसं व्याकरणं च सुनिश्चितम्? **[2019 AL]**

८. संस्कृत भाषायां कति पुराणानि लिखितानि सन्ति? **[2020 ZD]**

९. संस्कृत भाषा प्राचीना अथवा नवीनास्ति? कथय!

१०. संस्कृतसाहित्यस्य का विशेषता?

११. संस्कृतस्य गौरवं दृष्ट्वा दण्डिना किम् उक्तम् ?

१२. कस्य वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं वर्तते?

१३. का भाषा देवभाषा इति नाम्ना ज्ञाता? **[2017 MK]**

१४. संस्कृतस्य साहित्य: व्याकरणञ्च कीदृशं वर्तते? **[2020 ZB]**

अनुवादात्मक प्रश्न

१. अधोलिखित अवतरणों का ससन्दर्भ हिन्दी-अनुवाद कीजिए–

(क) धन्योऽयम् .... लिखितानि सन्ति। **[2017 ML, 19 CP]**

अथवा विद्यमानेषु निखिलेष्वपि.......................... कस्यापि दृष्टेरविषय:।

अथवा धन्योऽयम् .... दृष्टेरविषय:। **[2017 MH]**

अथवा धन्योऽयम् .... भाषातत्त्वविद्भि:।

(ख) संस्कृतस्य .... सञ्जायन्ते। **[सा०2020 ZH, ZI, ZJ, ZK, ZL, ZM]**

(ग) संस्कृतसाहित्यस्य.................................... गीर्वाणभारती इति। **[2016 SJ, 19 CM]**

अथवा संस्कृतसाहित्यस्य आदिकवि: .... सुरक्षितुं शक्यन्ते। **[2016 SK, SN, 18 AH,20ZD]**

अथवा संस्कृतसाहित्यस्य... श्रेष्ठा चास्ति।

(घ) इयं भाषा अस्माभि: .... 'गीर्वाण भारती' इति। **[2020 ZF]**

२. अधोलिखित सूक्तिपरक पंक्तियों की ससन्दर्भ हिन्दी-व्याख्या कीजिए–

(क) संस्कृतं नाम दैवी वागन्वाख्याता महर्षिभि:।

(ख) भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।

३. अधोलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(क) संस्कृत भाषा प्राचीनतम भाषा है।

(ख) यह समस्त भारतीय भाषाओं की जननी है।

(ग) ऋषियों ने इसे देववाणी कहा है।

व्याकरणात्मक प्रश्न

१. अधोलिखित शब्दों में विभक्ति एवं वचन बताइए–

गद्ये, संस्कृतस्य, कवय:, विद्यमानेषु।

२. अधोलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए–

इयमेव, नान्यत्र, कस्यापि।

शब्दार्थ

जनमानसपावनी = जनमानस को पवित्र करनेवाली। **भव्यभावोद्भाविनी** = (भव्य-भाव**र**+ उद्भाविनी) सुन्दर भावों को उत्पन्न करनेवाली। **शब्द-सन्दोह-प्रसविनी** = शब्दों के समूह को जन्म देनेवाली। **वाङ्मयेषु** = साहित्यों में। **बहुविधज्ञानाश्रयत्वम्** = (बहुविध-ज्ञान**र**+ आश्रयत्वम्) अनेक प्रकार के ज्ञान का आश्रय होना। **अन्वाख्याता** = कहा है। **प्रथिता** = प्रसिद्ध। **सन्दोह** = समूह। **दैवीवाक्** = देववाणी। **यादृशी** = जैसी। **शौचं** = पवित्रता। **औदार्यम्** = उदारता। **अनसूया** = निन्दा न करना, **सांस्कृतिकमेकत्वञ्च** = (सांस्कृतिकम् + एकत्वम् +**र**च) सांस्कृतिक एकता। **सुरक्षितुं शक्यन्ते** = सुरक्षित हो सकती है। **सुष्ठूक्तम्** = (सुष्ठु + उक्तम्) ठीक कहा गया है। **गीर्वाणभारती** = देववाणी (संस्कृत)।